तर्ज-- आपने अपना बनाया

आपने अपना बनाया मेहरबानी आपकी
हम तो इस काबिल न थे ये कद्रदानी आपकी

1-- अर्श से इस फर्श पर,हम खेल देखन आ गये
खेल मे हम ऐसे खोये,सुध रही ना आपकी

2--हम तो बांधे हुकम के,और हुकम आपके हाथ है
चाहे रक्खो या ले चलो, आगे है मरजी आपकी

3--हाथ पकड़ा दूल्हा ने,और मैं सुहागिन हो गई
इश्क दीजो आपना ,क्योंकि हूं अंगना आपकी

Nijanand App